DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE
D.B. COLLEGE, JAYNAGAR

BY:DR. ANANTESHWAR KUMAR YADAV
(ASSIST. PROFESSOR, GPTT)
Mo. 9415376545

B.A PART-II PAPER-IV (Indian Government and Politics)

LALIT NARAYAN MITHILA UNIVERSITY, DARBHANGA-846004(BIHAR)

Ref. No.................. Lecture No. 6 Date. 8/08/2020

राजनीतिक संस्कृति उपागम (Political Culture Approach)

राजनीतिक संस्कृति उपागम इसलिए विकसित हुआ कि यह उस बढ़ती हुई खाई को पाट सके जिसे व्यवहारवादी दृष्टिकोण ने गहरा बनाया था। अतः राजनीतिक संस्कृति द्वारा किया गया प्रयास एक ऐसा प्रयास है जो मनोविज्ञान तथा समाजशास्त्र को जोड़ता है और वह भी इस उद्देश्य की इस व्यवस्था द्वारा विशिष्ट समाज के दृष्टिकोणों को हम इस प्रकार भाँप सके कि हमारे राजनीतिक विश्लेषण में आधुनिक मनोविज्ञान के क्रांतिकारी निष्कर्ष और आधुनिक समाजशास्त्री तकनीकों के विकास का पूरा-पूरा लाभ मिल सके। राजनीति विज्ञान में राजनीतिक संस्कृति की अवधारणा एक ऐसे प्रयास का आविष्कार है जो कि राजनीतिक विचारधारा, वैधता, संप्रभुता, राष्ट्रीयता तथा कानून का शासन जैसे परम्परावादी विचारों के अध्ययन को व्यवहारवादी विश्लेषण के अनुरूप बनाता है। राजनीतिक संस्कृति की अवधारणा गैब्रियल आमण्ड द्वारा कही गई इस युक्ति में देखी जा सकती है "प्रत्येक राजनीतिक व्यवस्था राजनीतिक कार्यों के एक ढाँचे से बँधी हुई होती है।" इसका तात्पर्य यह हुआ कि जो राजनीतिक व्यवस्था क्रियाशील है, उसमें राजनीति का अपना एक व्यक्तिपरक Subjective क्षेत्र होता है। यही क्षेत्र व्यवस्था को समर्थ बनाता है संस्थाओं को अनुशासन देता है और व्यक्तिगत कार्यों को सामाजिक संगति प्रदान करता है।

राजनीतिक संस्कृति का अर्थ एवं परिभाषाएँ — राजनीतिक संस्कृति को विभिन्न विद्वानों द्वारा अलग-अलग नामों से सम्बोधित किया गया है। आमण्ड ने इसे कार्य के प्रति अभिमुखीकरण (Orientation to Action) विचारक बियर ने राजनीतिक संस्कृति (Political Culture) कहा है।

PTO

Scanned with CamScanner

DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE
D.B. COLLEGE, JAYNAGAR

BY:DR. ANANTESHWAR KUMAR YADAV
(ASSIST. PROFESSOR, GPTT)
Mo- 9415376545

B.A PART-II Paper-IV (Indian Government and Politics)

LALIT NARAYAN MITHILA UNIVERSITY, DARBHANGA-846004(BIHAR)

Ref. No.................. Date..........................

प्रसिद्ध विद्वान डेविड ईस्टन ने इसे पर्यावरण (Environment) तथा स्पीरो ने राजनीतिक शैली (Political Style), नाम से संबोधित किया है। लेकिन इन सब में राजनीतिक संस्कृति शब्द ही सर्वाधिक उपयुक्त है। यद्यपि राजनीतिक संस्कृति एक समाजशास्त्री शब्द है जिसमें अनेक अवधारणाएँ सम्मिलित हैं। जैसे- राजनीतिक विचारवाद, राष्ट्रीय लोकाचार और भावना, राष्ट्रीय मनोविज्ञान तथा जनता के आधारभूत मूल्य आदि।

विशुद्ध आनुभविक दृष्टि से राजनीतिक संस्कृति शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग विचारक आमण्ड व पावेल द्वारा विकासशील के अध्ययन में किया गया। आमण्ड एवं पावेल के अनुसार "राजनीतिक संस्कृति किसी राज ~~व्यव~~व्यवस्था के सदस्यों में राजनीति के प्रति व्यक्तिगत अभिवृत्तियों और दृष्टिकोणों का नमूना है"

विचारक बॉल के शब्दों में "राजनीतिक संस्कृति उन अभिवृत्तियों, विश्वासों भावनाओं और समाज के मूल्यों से मिलकर बनती है जिनका सम्बन्ध राजनीतिक पद्धति और राजनीतिक प्रश्नों से होता है"

विचारक सिडनी वर्बा ने राजनीतिक संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए इसकी व्यापक परिभाषा दी है। उनके शब्दों में "राजनीतिक संस्कृति में आनुभविक विश्वासों, अभिव्यक्तात्मक प्रतीकों और मूल्यों की वह व्यवस्था निहित है जो उस परिस्थिति अथवा दशा को परिभाषित करती है जिसमें राजनीतिक क्रिया संपन्न होती है"

प्रत्येक देश की राजनीति पर्यावरण के विभिन्न पहलुओं से प्रभावित रहती है, किन्तु इसमें सांस्कृतिक पहलू का विशेष स्थान व महत्व होता है। सांस्कृतिक पर्यावरण में व्यक्तियों के मूल्य, विश्वास और अभिवृत्तियां आदि आते हैं और ये ही राजनीति को इस या उस प्रकार का रंग देने के लिए उत्तरदायी होते हैं। अतः राजनीतिक व्यवस्था का आधार मूलतः राजनीतिक संस्कृति में गड़ा हुआ-सा रहता है। इस कारण तुलनात्मक विश्लेषणों को यथार्थवादी बनाने के लिए राजनीतिक संस्कृति के आधार पर तुलना करना आवश्यक माना जाने लगा।

Scanned with CamScanner